THE RESEARCH DIALOGUE
An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
© The Research Dialogue | Volume-04 | Issue-04 | January-2026
Available online at: https://theresearchdialogue.com/

पुस्तक समीक्षा : लोकमाता अहिल्याबाई होलकर

प्रोफेसर करतार सिंह

शिक्षा संकाय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

प्रस्तुत पुस्तक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर, देवीस्वरुप माता के जीवन परिचय, समकालीन परिस्थितियों में उनके द्वारा किए गए धार्मिक, सुशासन, स्त्री स्वाभिमान, सामाजिक समृधि आदि से संबंधित किए गए लोकप्रिय कार्यों का उल्लेख करती है। प्रस्तुत पुस्तक को लेखक ने प्रस्तावना के अतिरिक्त छः (6) अध्यायों में लिखा है। अध्याय–1: पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर, में उनका जीवन-परिचय, उनके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं और होलकर रियासत का क्रमबद्ध उल्लेख किया गया है। देवीमाता अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र, भारत में हुआ। अध्याय–2 पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर: स्त्री स्वाभिमान का भारतीय दीपस्तम्भ, में स्त्री स्वाभिमान का वर्णन किया गया है। अध्याय–3 न्यायप्रियता और सुशासन की पर्याय पुण्यश्लोक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर, में उनकी न्यायप्रियता और सुशासन का वर्णन किया गया है। अध्याय–4, पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर: समृद्धि और धर्मपरायणता की शिल्पकार, में पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर को समृद्धि और धर्मपरायणता की शिल्पकार के रूप में प्रस्तुत करते हुए उनकी धार्मिक लोकप्रियता एवं सामाजिक समृद्धि का वर्णन किया गया है। अध्याय–5 पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का सामाजिक योगदान एवं प्रेरणादायक कार्य, में उनके द्वारा किए गए सामाजिक योगदान एवं प्रेरणादायक कार्य का वर्णन किया गया है। अध्याय–6 उपसंहार, में भारत में वर्ष 2024 में उनकी 300वीं जयंती मनाये जाने का वर्णन किया गया है। पुस्तक के अंत में सन्दर्भ ग्रन्थ सूची और वेबसाइट सूची दी गयी है।

देवीमाता 1767 से 1795 तक मालवा राज्य की महारानी रही। उनका देहांत 13 अगस्त 1795 को हुआ। वह अखंड भारत में विश्वास करती थी। होलकर वंश का नेतृत्व करते हुए उनके अन्य राज्यों के साथ अच्छे सम्बन्ध थे। प्रस्तुत पुस्तक देवी के अवतार, समाज सुधार, सामजिक समरसता और उनके त्यागपूर्ण जीवन का उल्लेख करती है। पुस्तक को पढ़ने से पाठकों में शिक्षा, महिला सशक्तीकरण,सामाजिक समानता और धार्मिक कार्यों के प्रति चेतना उत्पन्न करती है।

पुस्तक: लोकमाता अहिल्याबाई होलकर

लेखक: डॉ चमन लाल बंगा, सह - आचार्य, शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय समरहिल, शिमला - 171005

ISBN- 978-81-981788-9-3

मूल्य: 180 रूपये मात्र

संस्करण: 2025

प्रकाशक: जेनिक बुक्स पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड,आगरा

Cite this Article:

प्रोफेसर करतार सिंह,"पुस्तक समीक्षा : लोकमाता अहिल्याबाई होलकर" The Research Dialogue, Open Access Peer-reviewed & Refereed Journal, Pp.75–76.

This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved.

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

प्रोफेसर करतार सिंह

For publication of Book Review title

पुस्तक समीक्षा : लोकमाता अहिल्याबाई होलकर

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and E-ISSN: 2583-438X, Volume-04, Issue-04, Month January, Year-2026, Impact Factor (RPRI-4.73)

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Editor- In-chief

Dr. Neeraj Yadav
Executive-In-Chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://theresearchdialogue.com/